(घ) नील शहर छोड़ कर क्या चला जाता है ? (15×2=30)

PROSE, PROSODY, GRAMMAR AND TRANSLATION

Paper – Option (i) : Semester – IV

Time Allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 75

1. (क) दो गद्यांशों की प्रसंगसहित व्याख्या करें :–

(i) ततश्च मया क्रोडे उपवेश्य, बालिके ! क्व ते पितरौ ? कथमेतस्मिन्नश्रमप्रान्ते रामायाता ? किं ते कष्टम् ? कथमारोदीः ? किं वाञ्छसि ? किं कुर्मः ? इति पृष्टा

http://questionpaperesult.com/

Scanned by CamScanner

मुष्टिप्रहारैरुपहतः नाथपादौ, भयेन विशीर्णवचनविन्यासः
लज्जया अतिमन्दस्वरः, शोकेन रुद्धप्रसरेण रुद्धकण्ठः
चकितचकितेव कथं कथमपि अवोचमहम् यदेषा
अस्मिन्नेदीयस्येव पाणे वसति करस्यापि वातापस्य तनयाऽस्ति।

(ii) अथ वीर ! गृहीतमात्रेण नित्यम्, पराजिता आर्यसेनाः बन्दीकृता वयम्, सोढ्यमेव यत्, इतोऽपि न शाम्यति ते क्रोधश्चन्दस्मान् ताडय, मारय, छिन्धि, भिन्धि, पातय, मन्थय, खण्डय, कर्तय, ज्वालय, किं तु त्यजेमामकिंचित्करीं जडां महादेवप्रतिमाम्, यत्रैव न स्वीकरोषि तत् गृहाणास्मत्तोऽयन्दीप सुवर्णकोटिद्वयम्, त्रायस्व, मैनां गमनमूर्तिम् स्वाक्षी।

(iii) तदाकर्ण्य भिल्लोपमानमेवमारुरुक्षदनो योगिराजो मुनिराजं तत्सहचरांश्च निपुणं निरीक्ष्य, तेषामपि शिवसैन्यतरागतानामङ्गीकृत्य, मुनिवेषव्याजेन स्वधर्मरक्षा-वसेनश्चोररीकृत्य विजयता शिवसैन्यं रिक्ष्यन्तु भवता मनोरथाः इति मन्द व्याहरीत्।

(iv) प्रणम्य एष निश्चेष्टामिति उद्देश्यन्त भरन्तं प्रणमन् निजपर्णकुटीरात् निश्चक्राम निश्चित गुरुसेवनपटुर्निप्रवटु।
अहो ! चिरस्य मम सुप्तोऽहम् स्वप्नजालपरस्तेनैव महान् पुण्यमय समयोऽतिवाहित, सन्ध्योपासनसमयोऽयमस्मद्-गुरुचरणानाम् तत्सामि अवनुनोमि कुसुमानि इति चिन्तयन् कदलीदलमेकमाकृष्य, तृणशकले संनाय, पुटकं विधाय, पुष्पावचय कुर्मारेभे। 7½×2=15

(ख) तीन छन्दों का लक्षण, उदाहरण एवं समन्वय लिखें :
विद्युन्माला। पञ्चचामर। वियोगिनि। भुजगप्रयात। मन्दाक्रान्ता। द्रुतविलम्बितम् 5×3=15

2. (क) पितृ **अथवा** चन्द्रमस् के सभी विभक्तियों के रूप लिखें। 5
(ख) पा + लट् **अथवा** पच् + लोट के धातुरूप लिखें। 5
(ग) किन्हीं **पांच** के निष्पन्न कृदन्तरूप लिखें।
हस् + क्त्वा। हस् + तुमुन्। पत् + क्त्वा। कृ + शानच्।
स्पृश् + क्त।
बन्ध् + क्त्वा। क्री + क्त्वा। हस् + तुमुन्। पठ् + शतृ।
स्मृ + क्त्वा। 5
(घ) **पांच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें :
(i) तुम पटियाला कब जाओगे ? (ii) मैं जालन्धर में पढ़ता हूँ।
(iii) केशव घोड़े से गिर गया। (iv) मोहन खाना खाता है।
(v) वह कल चण्डीगढ़ से आएगा। (vi) सीता गीता की सहेली है।
(vii) राम के साथ सीता भी वन में गई। (viii) तुम वहाँ जाओ।
(ix) सदा सच बोलो। (x) उसका घर सुन्दर है। 5
(ङ) किन्हीं **पांच** की संस्कृत या पंजाबी अथवा अंग्रेजी लिखें :
दही। चावल। रोटी। दाल। नमक। साग। आम। चना। पानी। लस्सी। 5

3. अतिसंक्षिप्त उत्तर लिखें :
(i) शिवराजविजय में किसके जीवन का चित्रण है और इसमें खलनायक कौन हैं ?
(ii) शिवराजविजय के कुछ अन्य पात्रों पर टिप्पणी लिखें।
(iii) दिक् — प्रथमा विभक्ति लिखें।
(iv) अस्तु, स्ताम्, सन्तु में कौन सा लकार है व धातु क्या है ?
(v) शिवराजविजय में किसका अपहरण किसने किया था ? कर्तव्यम् में धातु व प्रत्यय बताएं।
(vi) गमनीयम् में धातु व प्रत्यय क्या है ?
(vii) मनस् का तृतीया विभक्ति में रूप लिखें।
(viii) दूध की संस्कृत क्या है ?
(ix) आज्ञा व प्रेरणा अर्थ में किस लकार का प्रयोग होता है ?
(x) गन्तुम् का अर्थ लिखें। 2×10=20

●●●●●

http://questionpaperesult.com/

Scanned by CamScanner